मंथन समूह सफलता की कहानी...

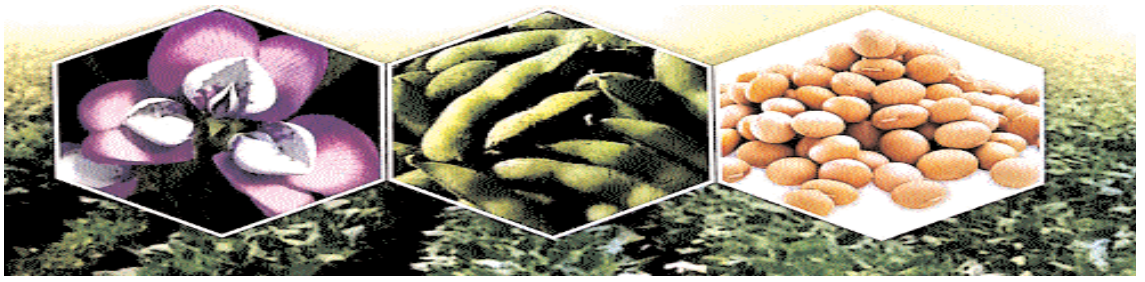

---प्रेरणादायक किसानों की सफल गाथाएं---

किसान पवन लोधी ने गेहूं की सीधी बुवाई पद्धति को अपनाकर 30 प्रतिशत कम लागत के साथ अधिक मुनाफा लिया

जिला दमोह के अंतर्गत ग्राम कुर्म्धल के रहने वाले प्रगतिशील तथा उन्नत तकनीकी से खेती करने की सोच रखने वाले किसान श्री पवन लोधी जी पिछले कई वर्षों से धान व गेहूं की फसल लेते थे। जिससे उन्हें पारम्परिक खेती करने पर कम उत्पादन प्राप्त होता था। इस बार पवन लोधी जी ने अपने खेत में गेहूं की फसल लगाई है।

पवन लोधी जी की मुलाकात दमोह जिले के मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति के क्षेत्र अधिकारी श्री दुर्गेश राठौर से हुई। श्री राठौर ने श्री पवन लोधी जी को इस बार गेहूं की फसल एक नई पद्धति तथा नई सीड्ड्रिल मशीन से करने के लिए सलाह दी। क्षेत्र अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया कि आपको वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर सलाह उपलब्ध कराई जाएगी तथा तकनीकी सहयोग व मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। मंथन समाज सेवा समिति के माध्यम से पवन लोधी जी ने गेहूं की मशीनीकृत सीधी बोनी की पद्धति को अपनाया। श्री पवन लोधी जी ने सीडड्रिल के साथ-साथ 50 किलोग्राम प्रति एकड़ के बीज दर के साथ गेहूं की बुवाई की। ज्यादातर किसान भाई 90 से 95 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज का उपयोग छिड़काव विधि से गेहूं की बुवाई करते है। हाईब्रिड गेहूं की बुवाई एवं निश्चित मात्रा में खाद का उपयोग एवं खरपतवार नियंत्रण दवा, मशीनीकृत बुवाई तथा उच्च गुणवत्ता वाले बीज के माध्यम से किसान ने खेती की। बीज का उपचार करने से बीज का अंकुरण भी अच्छा देखने को मिला जिससे किसान भाई पवन लोधी की 30 प्रतिशत तक लगत कम हुई है। पौधों से पौधे के लिए पर्याप्त जगह मिली है। फुटाव भी अच्छा है। जिससे अच्छी पैदावार किसान भाई को मिली।

गेहूं की सीधी बुवाई पद्धति अपनाने एवं हाईब्रिड गेहूं की बुवाई एवं निश्चित मात्रा में खाद के उपयोग के कारण पवन लोधी जी को खेती से बम्पर उत्पादन प्राप्त हुआ। जिसे देखकर आस-पास के किसानों ने भी पवन लोधी जी से प्रेरणा लेकर निर्णय लिया कि हम भी अगले वर्ष गेहूं की फसल तथा अन्य फसलें मशीनीकृत सीधी बुवाई के द्वारा ही फसल लगाएंगे। जिससे हमारी मिट्टी की गुणवत्ता भी बेहतर रहेगी। पवन लोधी जी ने कहा मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति के सहयोग द्वारा हमें आपने हमारे परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण का स्वरोजगार मिला है। जिससे आज हम किसान लोग सुखी जीवन-यापन कर अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं और हजारों रूपए का मुनाफा कमा रहे हैं।

रोजगार

मंथन पॉलीटेक्निक कॉलेज

इंदौर-भोपाल हाईवे पुलिस चौकी के पास अमलाहा सीहोर, (म.प्र.)

(एआईसीटीई, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित)

पॉलिटेक्निक (डिप्लोमा इंजीनियरिंग)

इलेक्ट्रिकल (इंजी.) (E.E.)
सिविल (इंजी.) (C.E.)
मैकेनिकल (इंजी.) (M.E.)
कंप्यूटर साइंस (इंजी.) (C.S.E.)
इलेक्ट्रॉनिक एवं टेली कम्यूनिकेशन (इंजी.) (E.C.E.)

-: विशेषताएं :-

- शत् प्रतिशत रोजगार के सुनहरे अवसर।
- सुव्यवस्थित वर्कशॉप तथा आधुनिक मशीनों पर कार्य करने का अवसर।
- उत्तम गुणवत्ता का प्रशिक्षण।
- छात्रों को भविष्य निर्धारित करने का मौका।
- न्यूनतम शुल्क पर छात्रावास की सुविधा।

न्यूनतम योग्यता: 10वीं/12वीं कक्षा उत्तीर्ण

छात्रवृत्ति

- अल्पसंख्यक/अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं की सुविधा।
- अल्पसंख्यक वर्ग की छात्रवृत्ति के लिए 10वी/12वीं में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।

प्रदेश की एकमात्र संस्था जो प्रशिक्षण के उपरांत 100% रोजगार प्रदान करती है

अपना उज्जवल भविष्य निर्धारण करने के लिए सम्पर्क करें: मंथन पॉलिटेक्निक कॉलेज-मो.623200930

पुरानी पद्धति छोड़कर नई तकनीक अपनाकर किसान कन्हैयालाल ने चने की फसल से कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के अन्तर्गत ब्लॉक निवाली ग्राम चाटली के रहने वाले प्रगतिशील किसान श्री कन्हैयालाल मुख्य रूप से तिलहन, दलहन और ज्वार, गेहूं, चना, मक्का की खेती करते हैं। इस बार उन्होंने अपने खेत में चना की फसल लगाई है। किसान कन्हैयालाल जी अभी तक पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे। उनकी दिक्कत यह थी कि कीट तथा रोगों की जानकारी के अभाव में पूरा समय, श्रम, पानी खाद का प्रयोग करने के बावजूद अच्छी फसल का उत्पादन नहीं ले पा रहे थे। तभी उन्हें जानकारी मिली कि मंथन समाज सेवा समिति से सम्पर्क किया जाए। बड़वानी जिले में बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करते हैं। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी व मंथन समाज सेवा समिति के क्षेत्राधिकारी भुलीराम जी से मुलाकात की। उनसे सहायता का अनुरोध किया। समिति द्वारा उन्हें चना के उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खेत तैयार करने, मशीनीकृत बुवाई करने व सही मात्रा में खाद, दवाईयां तथा बीजोपचार कर बुवाई करने जिसमें खरपतवार नाशक दवाईयों का उपयोग करवाया गया। बायोटेक हब प्रोजेक्ट के तहत समय-समय पर वैज्ञानिक सलाह दी गई। जिसका सही विधि द्वारा उपयोग करवाया गया।

कन्हैयालाल जी ने फसल का प्रबंधन अच्छे तरीके से किया। इस बार चना की बुवाई से कटाई तक तकनीकी रूप से खेती की। कन्हैयालाल जी की मेहनत फलीभूत हुई। नई तकनीक का इस्तेमाल करके किसान ने लागत से अधिक उत्पादन प्राप्त किया। चने का भरपूर उत्पादन प्राप्त किया। संस्था द्वारा बड़वानी जिले के अन्य किसानों को भी खेत में लगातार सुधार व कम लागत में अधिक मुनाफा की खेती करवाई गई। किसान द्वारा ग्राम के अन्य किसानों को भी तकनीकी रूप से चना तथा अन्य फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करवाया।

कृषक कन्हैयालाल जी ने मंथन ग्रामीण एवं समाज सेवा समिति का आभार व्यक्त किया। कृषक कन्हैयालाल जी ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर खेत में आकर फसल के संबंध में पूर्ण जानकारी देना एवं वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर फसल से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। मुझे अपनी इस सफलता पर खुशी है तथा इसका श्रेय मैं मंथन ग्रामीण समाज सेवा समिति तथा डी.बी.टी. द्वारा कृषकों के हित में लिए गए निर्णयों को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। कन्हैयालाल जी ने बायोटेक किसान हब प्रोजेक्ट के अधिकारी तथा अन्य सभी का धन्यवाद किया। किसान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार से बायोटेक हब के माध्यम से कृषकों के साथ मिलकर ऐसे प्रोग्राम साझा किए जाते रहे तो सभी किसान भाई नई ऊंचाईयों को निश्चित रूप से छूने में सफल होंगे।